2022-23 MODELQUESTION PAPER-1

Subject : THIRD LANGUAGE HINDI

KEY ANSWERS

****

I.निम्नलिखित प्रश्नों के चार-चार विकल्प दिए गए हैं उनमें से सही विकल्प चुनकर उत्तर लिखिए :

8×1=8

1]D]दूर

2]D] बहन

3] C] मछली

4]C] कराना

5]B] दीर्घ

6] C] तत्पुरुष

7]C] अल्पविराम

8]B] का

IIनिम्म्लिखित प्रथम दो शब्दों के सूचित संबंधों के अनुरुप तीसरे शब्द का संबंधित शब्द लिखिए :

4×1=4

9] ज़ोहरा

10] सिरहाने के नीचे दबाया

11] महान वैज्ञानिक

12] कृष्ण

III. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक –एक वाक्य में लिखिए :- **4×1=4**

13] पंडित राजकिडोर मजदूरों के नेता थे।

14] लेखक पहले दर्जे का किराया लेकर दूसरे दर्जे में सफर करके पैसा बचाना चाहते थे।

15] समय के खोने पर पछताना पड़ता है।

16] हंस 'नीर-क्षीर'को अलग कर देता है, अर्थात पानी को छोड़कर दूध को स्वीकार कर लेता है। यह हंस का गुण है।

IV. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो –तीन वाक्यों में लिखिए :-8×2=16

17] बसंत एक गरीब लड़का है । वह मेहनत से पैसा कमाना चाहता है ।इस लिए वह राजकिशोरजी से दया की भीख लेने से इनकार करता है।इससे पता चलता है कि बसंत एक ईमानदार लड़का है

18] अब्दुल कलाम के पिता आडंबरहीन व्यक्ति थे और सभी अनावश्यक एवं ऐशो-आरामवाली चीजों से दूर रहते थे। घर पर सभी आवश्यक चीजे समुचित मात्रा में सरलता से उपलब्ध थीं। इस लिए कलाम का बचपन निश्चिंतता और सादगी में बीता।

19] गाजर भी पहले गरीबों के पेट भरने की चीज़ थीं। अमीर लोह तो उसका हलवा ही खाते थे; मगर अब पता चला है कि गाजर में भी बहुत विटमिम हैं ; इसलिए गाजर को भी मेजों पर स्थान मिला है।

20] दोस्तों ने हाथी, साँप, भैस, मछली इन सब जानवरों से मुलाकात हुई।

21] समय अधिक महत्वपूर्ण एवं उपयोगी होता है। उसे जो अपना सच्चा साथी बनाएगा, वो ही अपने काम में सफल होगा। जो काम करना है वो अभी करना चाहिए। कलके बारे में हमें कुछ पता नहीं।इसलिए समय का सदुपयोग करना चाहिए।

22] कृष्ण अपनी माता यशोदा से इसलिए नाराज है कि वह केवल उसे ही मारती है और बड़े भाई बलराम को गुस्सातक नहीं करती। वह सिर्फ बलराम से प्यार करती है। यह सोचकर कृष्ण यशोदा के प्रति नाराज है।

23]शनि का निर्माण हाइड्रोजन, हीलियम, मीथेन तथा एमोनिया गैसों से बनाहुआ है ।

[अथवा]

सौर मंडल का सबसे बडा ग्रह बृहस्पति है। सौरमंडल में शनि ग्रह का स्थान दूसरा है।

24] पर्यावरण के प्रति सल्मा इस प्रकार कहती है कि,प्राकृति हमारी माता है। इसलिए हमें प्राकृतिक संसाधनों का अपव्यय करना नहीं चाहिए। अपने पर्यावरण को स्वच्छ रखना भी हमारा दायित्व है।

[अथवा]

झूठ बोलनेवालों का व्यक्तित्व कुंठित होता है। झूठ बोलनेवालों से लोगों का विश्वास उठ जाता है। उनकी उन्नति के द्वार बंद हो जाते हैं।

V. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर तीन-चार वाक्यों में लिखिए :- 9×3=27

25]

- काकद्वय की चोंचों के घावों से निश्चेष्ट-सा गमले से चिपका पड़ा गिल्लू को लेखिकानेहौलेसेउठाकरअपनेकमरेमेंलायी।रूईसेरक्तपोंछकरघावोंपरपेन्सिलिनकामरहमलगाया।
- फूल रखने की एक हल्की डलिया में रुई बिछाकर उसे तार से खिड़की पर लटकाकर गिल्लू के लिए घर बना दिया |
- गिल्लू को भूख लगाने पर उसका प्रिय खाद्य काजू या बिस्कुट देती थी ।
- जब गिल्लू के जीवन का प्रथम वसंत आया, तब लेखिका ने खिड़की के एक कीलें निकालकर जाली का एक कोना खोल दिया और इस मार्ग से गिल्लू बाहर जाने पर सचमुच ही मुक्ति की साँस लेती हैं ।
- गिल्लू को थाली के पास बैठकर थाली में से एक-एक चावल उठाकर बड़ी सफाई से खाना सिखाया ।
- गिल्लू के अंतिम दिनों में उसके पाँजे इतना ठंडे हो रहे थे, इसलिए लेखिका ने हीटर जलाकर उसे उष्णता देने का प्रयत्न किया ।
- सोनजूही की लता के नीचे गिल्लू की समाधि बनायी है ।

26] धीरज सक्सेना का परिवार बड़ा था। घरेलू नौकर साधोराम बस दुर्घटना में घायल होकर अस्पताल में भर्ती था। इस वजह से घर के सभी सदस्य परेशान थे। परिवार में सभी की तकलीफें बढ़गई। परिवार के

मुखिया धीरज सक्सेना से यह देखा नहीं गया और उन्होंने फैसला किया कि वह घरेलू कामकाज के लिए रोबोट लेगा। इस फैसले के तहत अगले रोज वे 'रोबोटोनिक्स कॉरपोरेशन' के कार्यालय पहुंचकर रोबोट को घर ले आते हैं।

27] दक्षिणीशिखर केऊपरहवाकीगतिबढ़गईथी।

- हवाकेझोंकेबर्फकेकणोंकोचारोंतरफउड़ारहेथे।
- उन्हेंकुछभीदिखाईदेनहींरहाथा।
- थोड़ीदूरतककोईऊंचीचट्टानचढ़ाईनहींथी।
- ढलानएकदमसीधीनीचीचलीगईथी।
- उनकीसांसएकदमरुकगईथी।
- लेकिनसफलताउनकेबहुतहीनजदीक थी।
- 23 मई, 1984 केदिनदोपहर 1:07 परएवरेस्टकीचोटीपरखड़ीथी।

28] कर्नाटकराज्यकीशिल्पकलाअनोखीहै।

- हंपी,बादामी,पट्टदकल्लु कीशिल्पकलाऔरवास्तुकलाअद्भुतहै।
- बेलूर,हलेबीडू,सोमनाथपुरकेमंदिरोंमेंपत्थरकीमूर्तियाँ सजीवलगतीहैं।
- श्रवणबेलगोलामेंगोमटेश्वरकीएकशिलाप्रतिमाहै।
- विजयपुरकेव्हिस्परिंगगैलरीवास्तुकलाकाअद्वितीयदृष्टांतहै।
- मैसूरकाराजमहलकर्नाटककेवैभवकाप्रतीकहै।
- मैसूरमेंप्राचीनसैंटफिलोमिनाचर्चऔरजगनमोहनराजमहलकापुरातत्ववस्तुसंग्रहालयअत्यंतआकर्षणीय है।

29]

- बाल-शक्ति टोली ने गाँव के गड्ढों को मिट्टी से भरा।
- गाँव का कूड़ा डालने के लिए निश्चित जगह बनाकर, सबको वहीं कूड़ा डालने को कहा।
- गाँव को हरा-भरा रखने के लिए चारों तरफ पेड़-पौधे लगाए।
- बाल-शक्ति टोली ने अपने साथियों पर ध्यान देकर उन्हें नियमित रूप से स्कूल आने के लिए योजना बनाई।
- इस तरह बाल-शक्ति टोली ने गाँव को आदर्श गाँव बनाया।

30] भारत माँ के खेत हरे-भरे और सुहाने है।

- वन-उपवन फ़म-फ़ूलों से युत है।
- भारत भूमि के अंदर खनिजों का व्यापक धन भरा हुआ है।
- भारत माता सुख-संपत्ति और धन-धाम को मुक्त हस्त से बाँट रही है।

31]

- कवि रामधुनिकसिंह "दिनकर" जी के अनुसार आधुनिक मनुष्य ने असीमित भौतिक प्रगति को प्राप्त कर लिया है ।
  - कवि कहते है कि मनुष्य ने प्रकृति के सभी तत्वों पर विजय प्राप्तकर ली है । मानव के हुक्म पर वारी विद्दुत और भाप चलते हैं ।
  - वह एक समान नदी, पहाड़ तथा सागर को लांघ सकता है।
  - आज मनुष्य का यान गगन में जा रहा है ।
  - मनुष्य की ऐसी प्रगति से परमाणु तक काँप रहे हैं ।

32] **भावार्थ :-** प्रस्तुत दोहे में तुलसीदास जी कहते हैं कि – मनुष्य पर जब विपत्ति पड़ती है तब विद्या, विनय, विवेक, साहस, सुकृति, सुसत्यव्रत और राम पर भरोसा उसका साथ निभाते हैं ।

33] **ಅಳಿಲುಗಳ ಜೀವಿತಾವಧಿ ಎರಡು ವರ್ಷಗಳಿಗಿಂತ ಹೆಚ್ಚಾಗಿರುವುದಿಲ್ಲ. ಹಾಗಾಗಿ ಗಿಲ್ಲುವಿನ ಜೀವನಯಾತ್ರೆಯ ಅಂತ್ಯ ಬಂದೆ ಬಿಟ್ಟಿತು. ದಿನವಿಡೀ ಅದು ಏನನ್ನೂ ತಿನ್ನಲಿಲ್ಲ ಹಾಗು ಹೊರಗಡೆಯೂ ಹೋಗಲಿಲ್ಲ**

VI निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पाँच-छः वाक्यों में लिखिए :- **2×4=8**

34] इंटरनेट के द्वारा पल भर में, बिना ज्यादा खर्च किए कोई भी विचार हो, स्थिर चित्र हो, वीडियो चित्र हो, दुनिया के किसी भी कोने में भेजना मुमकिन हो गया है । तुम चाहो तो पूरे एक पुस्तकालय की किताबों के विषय को कम समय में कहीं भी भेज सकते हैं । शायद इसके बिना संचार व सूचना दोनों ही क्षेत्र ठप पड़ जाते हैं। इंटरनेट द्वारा घर बैठे-बैठे ख़रीदारी कर सकते हैं । कोई भी बिल भर सकते हैं । इंटरनेट – बैंकिंग द्वारा दुनिया कीकिसी भी जगह चाहे जितनी भी रकम भेजी जा सकती है ।इससेपताचलताहैकिइंटरनेट आधुनिक जीवनशैली का महत्वपूर्ण अंग बन गया है ।इसके आधार पर हम कह सकते हैं कि इंटरनेट सचमुच एक वरदान है।

[अथवा]

सोशियलनेटवर्किंगएकक्रांतिकारीखोजहैजिसनेविश्वभरकेलोगोंकोएकजगहलाकरखडाकरदियाहै। इसकेकईसाईट्सहै, फेसबुक, ट्विटरआदिजिनकेद्वारादेश-विदेशकेलोगोंकीवेश-भूषा, रहन-सहन, खान-पानकेसाथ-साथसंस्कृतितथाकलाकाअतिशीघ्ररूपमेंप्रचारहोरहाहै।

35]निम्नलिखित कवितांश पूर्ण कीजिए ।

असफलताएकचुनौतीहै, इसेस्वीकारकरो,
क्याकमीरहगई, देखोऔरसुधारकरो।
जबतकनसफलहो, नींदचैनकोत्यागोतुम,
संघर्षकामैदानछोडकरमतभागोतुम।

VII. 36].गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :4×1=4

i] मनुष्य प्रकृति पर निरंतर प्रहार करता जा रहा है। इसलिए प्रकृति का विकोप बढ़ रहा है।
ii] जल मालिन्य से जलचर मर रहे हैं। इसलिए पानी पीने योग्य नहीं रह गया है।
iii] वायु मालिन्य के कारण " अम्लवर्षा" हो रही है। इससे साँस से संबंधित बीमारियाँ फ़ैल रहीं है।
iv] अब मनुष्य प्रदूषण को दूर करने के उपाय सोच रहा है।

VIII37] दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर 12-15वाक्योंमेंकिसीएकविषयकेबारेमेंनिबंधलिखिए :-

1×4=4

वनमहोत्सव

विषयप्रवेश :

मानव जीवित रहने के लिए वन्य संपदा की उतनी ही आवश्यकता है, जितनी की अन्य संपदाओं की। पौधे और जंतु दोनों ही वन के अंग है।यदि कोई एक अंग समाप्त हो जाएगा तो समूचा वन समाप्त हो सकता है।

वृक्षोंकाउपयोग :

वृक्षोंसेअनेकउपयोगहै।वे हैं - लकड़ीप्राप्ति, उद्योगोंकेलिएकच्चामाल, फलोंकीप्राप्ति, रोजगारकीप्राप्ति, पशुओंकोचारा, इंधनकीप्राप्ति, पशु - पक्षियोंकासंरक्षण, बहुमूल्यवस्तुओंकीप्राप्ति - आदिजलवायु, वर्षामेंसहायक, भूमिकटावपररोक, बाढ़परनियंत्रण, राष्ट्रकीसुरक्षा, पर्यावरणकोशुद्धरखना।

वनों से प्राप्त होनेवाली विभिन्न वस्तुएँ : वनों से अनेक वस्तुएँ प्राप्त होती हैं।उनमें प्रमुख है गोंद, जड़ी - बूटियाँ, रबड़, लाख, चमड़ा – आदि इन वस्तुओं से चमड़ा उद्योग, दिया सलाई उद्योग, आदि से लग भग 8 लाख लोगों को रोजगार मिलती है।

वनों का नाश :

वनों के विनाश के कारण जल प्रदूषण, रासायनिक प्रदूषण, वायु प्रदूषण, आदि उत्पन्न हो जाते हैं।

वृक्षो पण कीपरंपरा : 26 मार्च 1974 में पेड़ों की कटाई रोकने के लिए चिपको आंदोलन शुरू हुआ। जिसका आरंभ स्थान उत्तराखंड के रैणी गाँव है। इस आंदोलन के प्रमुख नेता सुंदरलाल बहुगुण हैं ।

उपसंहार :

वनों का हमारे जीवन में विशेष महत्व है। वन किसी भी देश की आर्थिक प्रगति के आधार होते हैं। इसी संदर्भ में पंडित जवाहरलाल नेहरू ने कहा है, एक उगता हुआ पेड प्रगतिशील राष्ट्र का प्रतीक है। सरकार को वृक्षों की कटाई को रोकने के लिए कठोर कदम उठाने चाहिए। इसके साथ ही प्रत्येक व्यक्ति को एक पेड़ लगाकर इस कार्यक्रम में अपना सहयोग देना चाहिए ।

IX38] निम्नलिखित विषय के बारे में पत्र लिखिए :-5×1=5

प्रेषक, दिनांक: 08-03-2021

महबूब बाषा एम
दसवींकक्षा
सरकारी हाईस्कूल
एस.आर.कालोनी
बल्लारी-583101

सेवामें,

प्रधानाध्यपक
सरकारी हाईस्कूल
एस.आर.कालोन
बल्लारी-583101

पूज्यगुरुजी,

विषय:छुट्टीके लिएप्रार्थनापत्र।

उपर्युक्तविषयानुसारआपसेसविनयनिवेदनहैकिमेरी तबीयत ठीक न होने के कारण मैं पाठशाला को आने असमर्थ हूँ।इसलिए आप दिनांक 09-03-2021 से 11-03-2021 तक तीनदिनोंकीछुट्टीदेनेकीकृपाकरें।

"धन्यवादकेसाथ"

आपका आज्ञाकारीछात्र

महबूब बाषा एम

2020-21 MODELQUESTION PAPER-2

Subject : THIRD LANGUAGE HINDI

KEY ANSWERS

****

****

I.निम्नलिखित प्रश्नों के चार-चार विकल्प दिए गए हैं उनमें से सही विकल्प चुनकर उत्तर लिखिए :

8×1=8

1] B] कुतिया

2]D] किताबें

3] A] बेचना

4]C] गुण संधि

5]B] हँसाना

6]D]द्वन्द्व

7]B]पूर्ण विराम

8]B] को

IIनिम्म्लिखित प्रथम दो शब्दों के सूचित संबंधों के अनुरुप तीसरे शब्द का संबंधित शब्द लिखिए :

4×1=4

9]सेब

10]चचेरे भाई

11]चंदन का आगार

12]दया

III. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक –एक वाक्य में लिखिए :- **4×1=413]**बसंत और प्रताप भीखू अहीर के घर में रहते थे।

14]बिछेंद्री के माता का नाम हंसादेई नेगी और पिता का नाम किशनपाल सिंह था।

15]चुटकी दे-देकर हँसने वाले ग्वाल दोस्त [मित्र] थे।

16] हंस का गुण पानी छोड़कर सिर्फ़ दूध पीने का होता है।

IV. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो –तीन वाक्यों में लिखिए :-

8×2=1617]जैनुलाबदीन नमाज़ के बारे में कहते हैं कि' जब तुम नमाज पढ़ते हो तो तुम अपने शरीर से इतर ब्रह्मांड का एक हिस्सा बन जाते हो:जिसमें दौलत, आयु, जाती या धर्म-पंथ का कोई भेदभाव नहीं होता।

18]बालकृष्ण अपनी माता यशोदा से शिकायत करता है कि बलराम मुझे ग्वाल बालकों के सामने काला कहकर छेडता है।बार-बार मात-पिता के बारे में पूछता है। और कृष्ण अपनी माँ से भी शिकायत करता है कि तुम भी हमेशा मुझे हीमारती हो भैया को कुछ नहीं कहती।

19]लेखिका ने गिल्लू को हौले से उठाकर अपने कमरे में लायी, फ़िर रूई से रक्त पोंछकर घावों पर पेन्सिलिन का मरहम लगाया। कई घंटे के उपचार के उपरान्त उसके मुँह में एक बूँद पानी टपकाया जा सका।

20]इंटरनेट द्वारा घर बैठे-बैठे ख़रीदारी कर सकते हैं। कोई भी बिल भर सकते हैं। इंटरनेट – बैंकिंग द्वारा दुनिया कीकिसी भी जगह चाहे जितनी भी रकम भेजी जा सकती है।

21]दूकानदार ने कहा-बाबूजी, बड़े मज़ेदार सेब आए हैं, खास कश्मीर के। आप ले जाएँ, खाकर तबीयत खुश हो जायेगी।

22]दिनकरजी के अनुसार जो मानव दूसरे मानव से प्रेम का रिश्ता जोड़कर आपस की दूरी को मिटाए, वही मानव कहलाने का अधिकारी होगा |

23]सौर-मंडल के सबसे बड़े ग्रह बृहस्पति के बाद शनि ग्रह की कक्षा है। शनि सौर-मंडल का दूसरा बड़ा ग्रह है।

[अथवा]

शनि का निर्माण हाइड्रोजन, हीलियम, मीथेन तथा एमोनिया गैसों से बनाहुआ है।

24]सत्य! बहुत भोला-भाला, बहुत ही सीधा-सादा ! अपनी आँखों से जो देखा, बिना नमक-मिर्च लगाए बोल दिया- यहीसत्य होता है। दृष्टि का प्रतिबिंब, ज्ञान की प्रतिलिपि और आत्मा की वाणी ही उसका रूप होता है।

[अथवा]

"सत्य एक विशाल वृक्ष है। उसका जितना आदर किया जाता है ,उतने ही फल उसमें लगते हैं। उसका अंत नहीं होता।"

V. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर तीन-चार वाक्यों में लिखिए :- 9×3=27

25]दिन भर उसने न कुछ खाया, न वह बाहर गया।गिल्लू के अंतिम दिनों में उसके पाँजे इतने ठंडे हो रहे थे, इसलिए लेखिका ने हीटर जलाकर उसे उष्णता देने का प्रयत्न किया। परन्तु प्रभात की प्रथम किरण के साथ ही वह चिर निद्रा मेंसो गया।

26]बसंत नोट भुनाकर लौट रहा था, तो मोटर के नीचे आ गया। मोटर उसके ऊपर से निकल गई। उसका सामान, पैसे, सब बिखर गए। उसके दोनों पैर कुचले गए। इसलिए बसंत राजकिशोर के पास नहीं लौटा।

27]सोशियलनेटवर्किंगएकक्रांतिकारीखोजहैजिसनेविश्वभरकेलोगोंकोएकजगहलाकरखडाकरदियाहै। इसकेकईवेबसाईट्सहै।फेसबुक, ट्विटरआदिजिनकेद्वारादेश-विदेशकेलोगोंकीवेश-भूषा, रहन-सहन, खान-पानकेसाथ- साथसंस्कृतितथाकलाकाअतिशीघ्ररूपमेंप्रचारहोरहाहै।

28]सम्मेलन में लेखक के सभी सामान एक के बाद एक चोरी हो रहे थे। ताला तक चुरा लिया गया था। अब वे ही बचे थे।अगर वे वहीं रुके तो उन्हीं को चुरालिया जा सकता था। यह सोचकर लेखक ने कमरा छोड़कर जाने का निर्णय लिया।

29] बिचेंद्री ने एवरेस्ट की चोटी पर पहुँचकर फ़ावड़े से पहले बर्फ़ की खुदाई कर अपने आपको सुरक्षित रूप से स्थिर किया।बाद में अपने घुटनों के बल बैठकर बर्फ़ पर अपने माथे को लगाकर सागरमाथे के ताज का चुंबन किया। बिना उठे हीअपने थैले से हुनुमान चालीसा और दुर्गा माँ का चित्र निकाला और अपने साथ

लाए लाल कपड़े में लपेटकर छोटी-सी पूजा करके उसको बर्फ़ में दबा दिया। उठकर अपने रज्जु नेता अंग दोरजी के प्रति आदर भाव से झुकी।

30]कवि की कल्पना के अनुसार मातृभूमि का स्वरूप अत्यंत सुंदर तथा सुशोभित है।मातृभूमि के एक हाथ में न्याय पताकाहै, जो न्याय काप्रतीकहै। तो दूसरे हाथमें ज्ञान-दीप है, जो ज्ञान का प्रतीक है। माँ अपने न्याय तथा ज्ञान द्वारा बच्चों कामार्गदर्शन कर रही है।

31]समय बहुत अनमोल है। हमें काम करने का जो अवसर मिलता है, उसे आलस और बहाने बनाना छोड़कर, उसी में मन लगाकर, आत्म विश्वास के साथ, संदेह को भगाकर, काम करना चाहिए। अगर उस समय का सदुपयोग नहीं करेंगे तो हमें बहुत पछताना पड़ता है।

32]**भावार्थ** :- प्रस्तुत दोहे में तुलसीदास जी कहते हैं कि – जिस तरह देहरी पर दिया रखने से घर के भीतर तथा आँगन में प्रकाश फैलता है, उसी तरह राम नाम जपने से मानव की आंतरिक और बाह्य शुद्धि होती है|

33] ಕರ್ನಾಟಕರಾಜ್ಯವುಭಾರತದಪ್ರಗತಿಶೀಲರಾಜ್ಯವಾಗಿದೆ.

ಇಲ್ಲಿನಜನಸಂಖ್ಯೆಸುಮಾರು6ಕೋಟಿಗಿಂತಹೆಚ್ಚಾಗಿದೆ.ಕರ್ನಾಟಕದರಾಜಧಾನಿಬೆಂಗಳೂರು.

VI निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पाँच-छः वाक्यों में लिखिए :- 2×4=8

34] कर्नाटक राज्य की शिल्पकला अनोखी है।बादामी, ऐहोले, पट्टदकल्लुमें जो मंदिर हैं, उनकी शिल्पकला और वास्तुकला अद्‌भुत है।बेलूर, हालेबीडु,सोमनाथपुर के मंदिरों में पत्थर की जो मूर्तियाँ हैं, वे सजीव लगती हैं। श्रवणबेलगोल में 57 फुट ऊंची गोमतेश्वर की एकशिला प्रतिमा है। विजयपुरा के गोलगुंबज की व्हिसपरिंग गैलरी वास्तुकला का अद्वितीय दृष्टांत है।

[अथवा]

कर्नाटककेसाहित्यकारोंनेकन्नडसाहित्यकोअत्यंतसमृद्धबनायाहै। वचनकारबसवण्णा क्रांतिकारी समाज सुधारक थे। अक्कमहादेवी, अल्लमप्रभू, सर्वज्ञा जैसे संतो ने अपने वचनों द्वारा प्रेम,दया तथा धर्म का संदेश दिया। पुरंदरदास, कनकदास, हरिहर, राघवांक आदि प्राचीन कवियों ने महान काव्यों की रचना द्वारा कन्नड साहित्य को समृद्ध बनाया है। साथ ही आधुनिक साहित्यकारों जैसे – कुवेंपु, बेंद्रे, कारंत, गोकाक, अनंतमूर्ती, कार्नाड तथा कंबारजी ने भी अपने साहित्य साधना से कन्नड साहित्य को समृद्ध बनाया है।

35]निम्नलिखित कवितांश पूर्ण कीजिए।

असफलताएकचुनौतीहै, इसेस्वीकारकरो,
क्याकमीरहगई, देखोऔरसुधारकरो।
जबतकनसफलहो, नींदचैनकोत्यागोतुम,
संघर्षकामैदानछोडकरमतभागोतुम।

VII. 36].गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :4×1=4

i] विक्रम साराभाई बचपन से ही प्रतिभावान चत्र थे ।
ii] रविन्द्रनाथ टैगोर ने भविष्यवाणी की थी कि " यह बालक बड़ा होकर बहुत यश प्राप्त करेगा ।"
iii] विक्रम को बचपन से ही साहसिक कार्य पसंद थे ।
iv] विश्व में कास्मिक किरणों और परमाणु अनुसंधान के लिए साराभाई का स्मरण किया जाता है ।

VIII37] दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर 12-15वाक्योंमेंकिसीएकविषयकेबारेमेंनिबंधलिखिए :-

1×4=4

(क) इंटरनेटका उपयोग

प्रस्तावना:- आजकायुगइंटरनेटयुगहै।बड़ेबूढ़ोंसेलेकरछोटेबच्चोंतकसबपरइसइन्टरनेटकाअसरपढ़ाहै।

अर्थ :- इंटरनेटअनगिनतकंप्यूटरोंकेकईअंतरजालकाएकदूसरेसेसंबंधस्थापितकरनेका जालहै।

इंटरनेटकामहत्वएवंलाभ :-इंटरनेटजीवनकेहरक्षेत्रमेंअपनाकमाल दिखायाहै ।चिकित्सा ,कृषि, अंतरिक्ष ज्ञान ,विज्ञान ,शिक्षाऔरयहांतककिदेशकेरक्षादलोकीकार्यवाहीमेंइंटरनेटकाबहुतबड़ायोगदानहै।

इंटरनेटलाभ

इंटरनेटद्वाराघरबैठेबैठेखरीदारीकरसकतेहैं ।कोई भी विचार हो ,चित्र हो , या विषय हो कम समय में विश्व के किसी भी कोने में भेजना संभव होगया है । इंटरनेटद्वाराकोई भी बिल भर सकते हैं ।इंटरनेट बैंकिंग द्वारा दुनियाँ की किसी भी जगह में चाहे जितनी भी रक़म भेजी जा सकती है ।संचार और सूचना के क्षेत्र में प्रगति हुई है ।

उपसंहार :-

उपरयुक्तविषयकोदेखतेहुयेहमकहसकतेहैंकिइंटरनेटएकओरवरदानहैतोदूसरीओरअभिशापभीहै।हमेंइंटरनेट काउपयोगवैधजरूरतोंकोयाअच्छेज्ञानकोप्राप्तकरनेकेलिएकरनाचाहिएनाकिअनावश्यकयाअनुपयोगीजानका रीकेलिए।बच्चोंकोअपनीनिगरानीमेंइंटरनेटकाउपयोगकरनेदेनाचाहिए।अगरऐसाकरेंगेतोइंटरनेटवरदानहीहो गा।

(ख) बेरोज़गारी

विषयप्रवेश : हमारे देश की एक कठिन समस्या है बेरोज़गारी । बेरोज़गारी एक आर्थिक और सामाजिक समस्या है जिसके कारण देश की शांति और व्यवस्था को खतरा है ।

बेरोज़गारीकेकारण :

- बढ़तीहुईजनसंख्या
- दोषपूर्णशिक्षाप्रणाली
- आधुनिकमशीनोंकाउपयोग
- उद्योगधंधोंकाअभाव
- लघुतथाकुटीरउद्योगोंकीअवनति

बेरोज़गारीदूरकरनेकेउपाय :

- लघुउद्योगोंकोप्रोत्साहनदेना
- जनसंख्यावृद्धिपरनियंत्रणलगाना
- मशीनीकरणऔरकंप्यूटरीकरणपरनियंत्रण
- रोजगारकेनएअवसरोंकीतलाश
- कृषि केसहायकउद्योगधंधोंकाविकास
- कुटीरऔरलघुउद्योगोंकाविकास
- शिक्षाप्रणालीमेंपरिवर्तन

उपसंहार : हमेंनिराशनहींहोनाचाहिएहमारीशिक्षाव्यवस्थामेंसुधारकियाजारहाहै। अपनेकामधंधेकरनेकेलिएलोनदियाजारहाहै।आवश्यकताइसबातकीहैकिहमआत्मविश्वासऔरदृढ़ताकेसाथसहयोगकरेंऔरमिलजुलकरइससमस्याकोहलकरें।

(ग) वनमहोत्सव

विषय प्रवेश :-

वनमहोत्सवकासम्बन्धवनोंसेहोताहै।वनोंऔरप्राणियोंकासम्बन्धबहुतपुरानाहै।मानववनस्पतिकेबिनानहींरहसकता, बड़ेदुर्भाग्यकीबातहैकिइनवनोंकोअन्धाधुन्धकाटाजारहाहै।इसभूलकेसुधारकेलिएआजादभारतने 1950 ई०मेंवनमहोत्सवमनानाआरम्भकिया।गाँवोंऔरशहरोंमेंयहउत्सवअलग-अलगप्रकारकेवृक्षलगाकरमनायाजाताहै।

वृक्षोंसेलाभ:-वृक्षोंसेस्वास्थ्यलाभहोताहैक्योंकिमनुष्यकेश्वासप्रक्रियासेजोदूषितहवाबाहरनिकलतीहै, वृक्षउन्हेग्रहणकर,
हमेंबदलेमेंस्वच्छहवादेतेहैं।वृक्षोंपरअनेकप्रकारकेपक्षीअपनाघोंसलाबनाकररहतेहैंऔरउनकीकलकलमधुरध्वनिपर्यावरणमेंमधुरताघोलतीहै|वृक्षोंसेअनेकप्रकारकेस्वादभरेफलहमारेभोजनकोरसमयऔरस्वादिष्टबनातेहैं। इनकीछालऔरजड़ोंसेदवाइयांबनाईजातीहै।पशुवृक्षोंसेअपनाभोजनग्रहणकरतेहैं।इसलिएहमेंअपनीधरतीकेआंचलकोअधिकसेअधिकहरा-भरारखनेकेलिएपेड़पौधेलगानेचाहिए।
यहवर्षाकरानेमेंसहायकहोतेहैं।मानसूनीहवाओंकोरोककरवर्षाकरानापेड़ोंकाहीकामहै।
वृक्षोंकेअभावमेंवर्षानहींहोतीहैऔरवर्षाकेअभावमेंअन्नकाउत्पादननहींहोपाताहै।गृहकार्यमेंवृक्षहमेंसुखदछाया औरमंदपवनदेतेहैं। सूखेब्रक्षईंधनकेकामआतेहैं।गृहनिर्माण, गृहसज्जा, फर्नीचर,
केलिएहमेंवृक्षोंसेहीलकड़ीमिलतीहै। आमला, चमेलीकातेल, गुलाब, केवड़ेकाइत्र,
खसकीखुशबूयहसभीवृक्षोंऔरउनकीजडोसेहीबनाएजातेहैं।
.उपसंहार:-

वनमहोत्सवहमेंवृक्षोंकीउपयोगिताकीशिक्षाप्रदानकरतेहैइससेहमविदितहोतेहैकि वृक्षहमारीअमल्यसम्पतिहैं।इनकेअभावमेंमानवजीवनतोक्याप्राणीजीवनभीप्रभावितहोताहै।मानवजीवनतथाप्राणीसमाजकोबचानेकेलिएतथाउसमेंसमुचितविकासकरनेहेतुऔरवातावरणकोसन्तुलितरखनेकेलिएपेड-पौधोंकोलगानाअतिआवश्यकहै।

IX38] निम्नलिखित विषय के बारे में पत्र लिखिए :-5×1=5

प्रेषक, **दिनांक: 08-03-2021**

महबूब बाषा एम
दसवींकक्षा
सरकारी हाईस्कूल
एस.आर.कालोनी
बल्लारी-583101

सेवामें,

प्रधानाध्यपक
सरकारी हाईस्कूल
एस.आर.कालोन
बल्लारी-583101

पूज्यगुरुजी,

विषय:छुट्टीके लिएप्रार्थनापत्र।

उपर्युक्तविषयानुसारआपसेसविनयनिवेदनहैकिमैंअपने बडी बहन के विवाहमेंशामिलहोनेकेलिएबेंगलूरुजारहा हूँ।इसलिएआपदिनांक 09-03-2021से 12-03-2021तक चारदिनोंकीछुट्टीदेनेकीकृपाकरें।

"धन्यवादकेसाथ"

आपका आज्ञाकारीछात्र

[महबूब बाषा एम]

पूज्य पिताजी, दि: 08/03/2021

सादर प्रणाम ।

मैं यहाँ आपके आशिर्वाद से कुशल हूँ। आपका पत्र मिला, पढ़कर अत्यंत खुशी हुई । मेरी पढ़ाई ठीक चल रही है। आपकी आज्ञानुसार मन लगाकर दिन-रात पढ़ाई में व्यस्त रहता हूँ।

हमारी पाठशाला की ओर से अगले महीने 10 से13तरीखतकशैक्षिकयात्राकाआयोजनहुआहै।उसमेंमेरेसारेमित्रजारहेहैं।उनकेसाथमैंभीजानाचहताहूँ।इसलिएमुझेशैक्षिकयात्रामेंजानेकीअनुमतिकेसाथ-साथरू-2000/- भेजने की कृपा करें।

माताजी को मेरा प्रणाम, छोटी बहन को ढेर सारा प्यार।

आपका आज्ञाकारी पुत्र
महबूब बाषा.एम

सेवा में,
मासूम वली
पटेल नगर
बल्लारी-583101